न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

132 जया देवी वगैरह बनाम हरिपद महतो

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	अभिलेख सं0–एम 101 / 2018 धारा–107 द0प्र0सं0 थाना प्रभारी तमाड़ के अप्राथमिकी सं0–26/18 दिनांक–16-7-18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि जमीनी विवाद को लेकर उभय पक्ष में तनाव है। जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी। अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी ,बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्व द0प्र0सं0 की धारा–107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरूद्व सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू0 का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय। अभिलेख तिथि 24-08-18 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। 4/8/18	
24-08-18	पीठासीन पदाधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त। दिनांक 07-09-18 को रखें।	

तारीख क्र० सं०	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई एवं टिप्पणी तारीख सहित
11-02-19	अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पक्ष क्रमांक 01 उपस्थित अन्य अधिवक्ता हाजरी। द्वितीय पक्ष उपस्थित। प्रथम पक्ष गवाही त्रया देवी से परीक्षण एवं प्रति-परीक्षण लिया गया तथा गवाही से मुक्त किया गया। प्रथम पक्ष गवाही हेतु दिनांक 25-02-19 को रखे। (हस्ताक्षर) 11/02/19	
25-02-19	उभय पक्ष की ओर से हाजरी दी गई। कार्यपालक दण्डा० अन्य कार्य में व्यस्त। अगली तिथि 08-03-19 है।	
08-03-19	अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पक्ष अधिवक्ता हाजरी। द्वितीय पक्ष उपस्थित। उक्त वाद में 6 (छः) माह की अवधि पूर्ण हो चुकी है अर्थात वाद कालबाधित हो गया है। अतः वाद में अभिलेख की कार्यवाही बन्द की जाती है। (हस्ताक्षर) 08/03/19	

Digitally signed by Ajay Kumar Saw
Date: 2022.07.19 12:08:24 +05:30
Location: 10.93.79.5